ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

ब्रह्मा बाप समान
संपूर्णता की ओर चौदहवाँ कदम

सर्व बंधनमुक्त

Shiv Shakti Pandav Sena

देह, देह की दुनिया, देह के संबंध, देह के धर्म, देह के पदार्थ, माया के पाँच विकार और प्रकृति के पाँच तत्व, इस सर्व बंधनों से मुक्त होने वाली पहली आत्मा- ब्रह्मा बाबा।

सर्व बंधनों से मुक्त ब्रह्मा बाप सतोप्रधानता की संपूर्ण स्थिति में स्थित हो गये।

अव्यक्ति साइलेन्स द्वारा डबल लाइट फरिश्ता स्थिति का अनुभव करो

किसी भी कार्य में नवीनता की इन्वेन्शन के लिए एकाग्रता की आवश्यकता होती है। चाहे लौकिक दुनिया की इन्वेन्शन हो, चाहे आध्यात्मिक इन्वेन्शन हो। एकाग्रता अर्थात् एक ही संकल्प में टिक जाना। एक ही लगन में मगन हो जाना। अपनी शान्त स्वरूप स्थिति में स्थित हो जाना, इससे बुद्धि का भटकना सहज ही छूट जायेगा। देह और देह की दुनिया सहज भूल जोयगी और डबल लाइट फरिश्ता स्थिति का अनुभव होने लगेगा।

प्रकृति के खेल देखते अपनी अवस्था नीचे-ऊपर नहीं करना

बापदादा- 20.02.2001

देखो परिवर्तन तो होना ही है ना! तो प्रकृति भी अपना काम तो करेगी ना! जब मनुष्य आत्माओं ने प्रकृति को तमो गुणी बना दिया, तो वह अपना काम तो करेगी ना। लेकिन हर खेल, ड्रामा के खेल में यह भी खेल हैं। खेल को देखते हुए अपनी अवस्था ऊपर नहीं करना। मास्टर सर्व शक्तिवान आत्माओं की स्व-स्थिति पर पर-स्थिति प्रभाव नहीं डाले। और ही आत्माओं को मानसिक परेशानियों से छुड़ा ने के निमित्त बनो क्यों की मन की परेशानी आप मेडिटेशन से ही मिटा सकते हो। डाक्टर्स अपना काम करेंगे, साईन्स वाले अपना काम करेंगे, गवमेंन्ट अपना काम करेगी,आप का काम हैं मन के परेशानी, टेन्शन को मिटाना। टेन्शन फ्री जीवन का दान देना। सहयोग देना।

जैसे आग लगती है तो आग बुजाने वाले डरते नहीं है, बुजाते है। तो आप सब भी मन के परेशानी की आग बुजाने वाले हो।

देखो प्रकृति को कोई मना नहीं कर सकता है, गुजरात में आओ, आबू में नहीं आओ, बाम्बे में नहीं आओ, नहीं। वह स्वतंत्र है। लेकिन सभी को अपने स्व-स्थिति को अचल-अडोल और अपने बुद्धि को, मन के लाइन को क्लियर रखना हैं। लाइन क्लियर होगी तो टचिंग होगी। बापदादा ने पहले भी कहा था उन्हों की वायरलेस है, आपकी वाईसलेस बुद्धि है। क्या करना है? क्या होना है? यह निर्णय स्पष्ट और शीघ्र होगा, ये नहीं सोचते रहो बाहर निकलें, अन्दर बैठें, दरवाजे पर बैठें, छत पर बैठें। नहीं। आपके पांव वहाँ ही चलेंगे जहाँ सेफटी होगी। और अगर बहुत घबरा जाओ, घबराना तो नहीं चाहिए, लेकिन बहुत घबरा जाओ, बहुत डर लगे तो मधुबन एशलम घर आपका है। डरना नहीं, अभी तो कुछ नहीं है, अभी तो सब कुछ होना है, डरना नहीं, खेल है। परिवर्तन होना है ना। विनाश नहीं, परिवर्तन होना है। सबमें वैराग्य वृत्ति उत्पन्न होनी है। रहमदिल बन सर्व शक्तियों द्वारा सकाश दे रहम करो।

समय को महत्त्व देने वाला ही जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करता है।

facebook.com/AvyaktMurliEssence

"जब ऐसा श्रेष्ठ हाई जम्प देने वाला पुरुषार्थ हो तब उड़ता पंछी बन फाइनल रिजल्ट में नम्बर वन बन सकेंगे।"

फाइनल रिजल्ट में फर्स्ट नम्बर लेने के लिए:

1 - दिल के अविनाशी वैराग्य द्वारा बीती हुई बातों को, संस्कार रूपी बीज को जला दो।

2 - अमृतवेले से रात तक ईश्वरीय नियमों और मर्यादाओं का सदा पालन करने का व्रत लो और

3 - मन्सा द्वारा, वाणी द्वारा या सम्बन्ध सम्पर्क द्वारा निरन्तर महादानी बन, पुण्य आत्मा बन दान पुण्य करते रहो। जब ऐसा श्रेष्ठ हाई जम्प देने वाला पुरुषार्थ हो तब उड़ता पंछी बन फाइनल रिजल्ट में नम्बर वन बन सकेंगे। Sakar Murli - 21/3/05

Relationship Mgmt.

हम अपनी खुशी के लिए किसी साधन का सहारा तभी लेते हैं जब हम स्वाभाविक रूप से प्रसन्न नहीं होते। अब वह सहारा कोई अच्छी आदत भी हो सकती है या बुरी भी।
अगर कोई व्यक्ति अपनी खुशी के लिए किसी बुरी आदत के वश हो चुका है तो हम उसके प्रति शुभ भावना रखें कि वह स्वाभाविक रूप से प्रसन्न रहना शुरू कर दे। इसमें उस व्यक्ति के प्रति हमारा व्यवहार और सकारात्मक ऊर्जा अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते है जबकि हम उस व्यक्ति को उस बुरी आदत के कारण नकारात्मक ऊर्जा ही भेजते रहते हैं जो उस परिस्थिति का समाधान कदापि नहीं। उस व्यक्ति के अंदर परिवर्तन चाहने से पूर्व हम सर्वप्रथम स्वयं के अंदर परिवर्तन लाएं। उस व्यक्ति को नकारात्मक ऊर्जा भेजने की बजाय हम उसकी मजबूरी समझते हुए उसे निरंतर शुभ भावना भेजते जाएं।

ॐ शांति

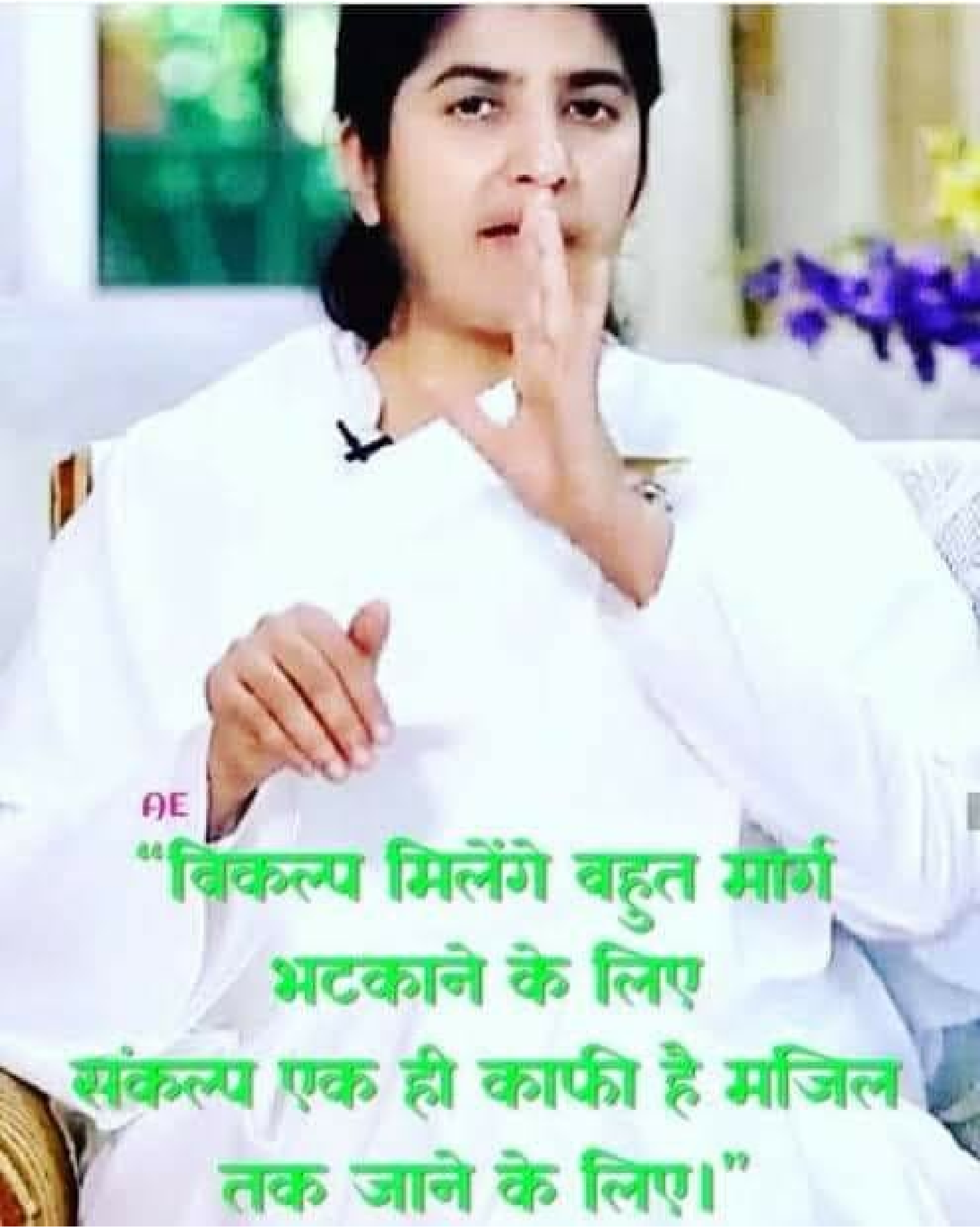
AE
"विकल्प मिलेंगे बहुत मार्ग
भटकाने के लिए
संकल्प एक ही काफी है मंजिल
तक जाने के लिए।"

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org